डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www.awajdarpan.com पर पढें

साप्ताहिक

# आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक २६ रविवार १६ जून से २२ जून २०२४ मूल्य तीन-रुपये

## सभी प्रोजेक्ट के लिए तय हों नोडल अधिकारी, 7 दिन में मिले प्रोग्रेस रिपोर्ट –सीएम योगी

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर प्रोजेक्ट के लिए एक नोडल अधिकारी तय करते हुए उनसे साप्ताहिक प्रगति की ली जाए। हर प्रोजेक्ट की वरिष्ठ अधिकारी पंद्रह दिन पर समीक्षा करें, साथ ही परियोजनाओं की प्रगति को लेकर माह में एक बार जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाए। हर परियोजना की एक समय सीमा तय होती है और उसे उसी अवधि में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए।

सीएम योगी शनिवार दोपहर में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एनेक्सी भवन में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, नगर निगम, जल निगम, जीडीए, गीडा समेत विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। कहा, जिन विकास परियोजनाओं के लिए जमीनों का अधिग्रहण किया गया है, वहां जमीन की रजिस्ट्री में तेजी लाई जाए और मुआवजा वितरण भी जल्द से जल्द किया जाए। इसमें किसी तरह की शिथिलता अक्षम्य होगी। मुख्यमंत्री ने कहा निर्माण कार्य को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए एक नोडल अधिकारी को पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी जाए।

नोडल अधिकारी हर सप्ताह की प्रगति की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं की मॉनिटरिंग करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी होनी चाहिए। अधिकारी हर माह जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराएं, उनसे मिलने वाले सुझावों पर भी ध्यान दें। सीएम योगी ने कहा कि बरसात का समय सन्निकट है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि बरसात होने पर कहीं भी जलभराव न होने पाए। जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में काफी अच्छा काम हुआ है, इसे लगातार उत्कृष्टता की ओर ले जाने की आवश्यकता है। समय रहते सभी नालों की सफाई का काम पूरा करने का निर्देश देने के साथ सीएम ने कहा कि जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए गोड़धोइया नाला परियोजना पर सतत ध्यान दिया जाए। बाढ़ बचाव से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा बाढ़ बचाव के कार्यों में और तेजी लाई जाए। अधिकारी, जनप्रतिनिधियों को साथ ले जाकर बंधों की स्थिति का

जायजा लें। बेहतर कार्य के लिए उनसे सुझाव लें।

सीएम ने कहा कि समन्वित प्रयासों से जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) और एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया गया है। तैयारी ऐसी बनी रहे कि आगामी मानसून सत्र में भी इस पर नकेल कसा रहे। मुख्यमंत्री ने एकला बांध प्रोजेक्ट की भी समीक्षा की और यहां मियावाकी वन विकसित करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पेयजल, स्वच्छता और अन्य नागरिक सुविधाओं पर संवेदनशीलता से ध्यान दें। शहरों और गांवों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। नागरिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारी जनता दर्शन में नियमित और संवेदनशील ढंग से सुनवाई करें। आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण करने के साथ शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यह चेतावनी भी दी कि नागरिक समस्याओं के निस्तारण में शिथिल अधिकारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत कुछ वर्षों से गोरखपुर उद्यमियों के लिए पसंदीदा स्थल बनकर उभरा है। अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे उद्यमियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान करें। मुख्यमंत्री ने अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए हर माह रोजगार मेले का आयोजन करने के निर्देश भी दिए। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति बरकरार रहनी चाहिए। माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई का क्रम थमना नहीं चाहिए। उन्होंने पुलिस पैट्रोलिंग और फुट पैट्रोलिंग बढ़ाने और पीआरवी का रिस्पांस टाइम और उत्कृष्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने बकरीद पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने, सड़क पर नमाज न होने देने की हिदायत देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी की धार्मिक भावनाएं आहत न हों। सीएम योगी ने ट्रैफिक प्रबंधन को और सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सड़कों पर गाड़ियां न खड़ी रहें। सभी वाहन तय पार्किंग स्थल पर ही खड़े हों। टेम्पो को भी उनके लिए निर्धारित स्टैंड पर ही खड़ा कराया जाए। सीएम ने यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सिविल डिफेंस का सहयोग लेने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ धर्मेन्द्र सिंह, विधायक राजेश त्रिपाठी, महेन्द्रपाल सिंह, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद समेत प्रशासन, पुलिस और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

## दहेज के लिए ससुरालियों ने की विवाहिता की हत्या

**संवाददाता–गोरखपुर।** खोराबार थाना क्षेत्र के अगहर गांव में विवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। पिता की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया वहीं पिता की तहरीर पर पति सहित सात लोगों पर दहेज हत्या का केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। शाहपुर के फातिमा हास्पिटल के पास रहने वाले बृजलाल ने अपनी बेटी अंजली की शादी खोराबार के अगहर गांव निवासी अनिल के साथ की थी। पिता का आरोप है कि दहेज के लिए उसकी बेटी को ससुरालवाले प्रताड़ित कर रहे थे। शुक्रवार की रात में बेटी की रहस्यमय हाल में मौत हो गई। पिता ने बेटी की हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। खोराबार पुलिस ने अनिल (पति),झमली देवी(ननद) ,सुनील(जेठ), गणेश(जेठ) काबुली देवी (सास),रामिलन(ससुर) के खिलाफ 498ए, 304बी भादवि व 3&4 डीपी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। खोराबार थानेदार ने बताया कि केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

## सरदार सेना का सांगठनिक विस्तार, बृजेश पटेल, विनय को मिली जिम्मेदारी

**संवाददाता–बस्ती।** सरदार सेना का सांगठनिक विस्तार करते हुये कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आरएस पटेल की मौजूदगी में बड़ेवन स्थित एक होटल में हुई बैठक में चौधरी बृजेश पटेल को प्रदेश उपाध्यक्ष, विनय चौधरी को जिलाध्यक्ष बनाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा कि एकजुटता व समर्पण सबसे बड़ी सांगठनिक ताकत है। सभी लोग एकजुट होकर संगठन को मजबूत करें और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। उन्होने नये पदाधिकारियों को बधाइयां व शुभकामनायें देते हुये अपेक्षा व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन सही दिशा में पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ेगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष बृजेश पटेल ने कहा संगठन जिन उद्देश्यों को लेकर स्थापित हुआ उसी दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है। संविधान की रक्षा करते हुये सरदार बल्लभ भाई पटेल के विचारों को लेकर आगे बढ़ना होगा। जिलाध्यक्ष विनय चौधरी ने कहा संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ निर्वहन करूंगा। निश्चित रूप से आने वाले दिनों में संगठन पहले से ज्यादा मजबूत दिखाई देगा। पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभाकर वर्मा ने कहा सरदार पटेल के विचारों को ही आत्मसात कर भारत महान और दुनियां का सिरमौर बनेगा। समाज और देश को भटकाने की जरूरत नही है। पूरी दुनियां जानती है कि सरदार पटेल ने किस तरह तमाम रियासतों को एकजुट करके एक उदाहरण पेश किया था। आगे भी देश उन्ही के विचारों पर आगे बढ़ेगा। बैठक में राष्ट्रीय सचिव सुधीर, सर्वेश चौधरी, राजबहादुर वर्मा, शिवशंकर चौधरी, अशोक चौधरी, अभिषेक चौधरी, अशोक वर्मा, संतोष चौधरी, बसंत चौधरी, अभय पटेल, सत्येन्द्र चौधरी, मुकेश साहू, अमित चौधरी, अखिलेश कुमार, राजकुमार वर्मा, रामवृक्ष गौतम, अमरजीत चौधरी, प्रकाश पटेल, आशीष वर्मा, दीपक चौधरी, प्रदीप वर्मा, गौरव वर्मा, बृजेश चौधरी, मनोज चौधरी, अभिनव चौधरी, पंकज चौधरी, अजय कुमार चौधरी, शहजाद अंसारी, वैभव गुप्ता, ज्ञानेन्द्र चौधरी, राहुल चौधरी, रामकुमार पटेल, बृजेश चौधरी महेन्द्र यादव, विवेक चौधरी, राजा भइया आदि मौजूद रहे।

## सहारा जमाकर्ताओं के भुगतान के लिये शुरू हो रही है लीगल प्रक्रिया

**संवाददाता–बस्ती।** सरकार, सहारा प्रबंधन और तथाकथित मीडिया संस्थानों की मिलीभगत से सहारा के 13 करोड़ जमाकर्ताओं का 3 लाख करोड़ रूपये का भुगतान नही हो रहा है। एक बहुत बड़ी साजिश रची गई है। 4 हजार से ज्यादा निवेशक और सहारा कार्यकर्ता मौत को गले लगा चुके हैं, इसके बावजूद सरकार नींद से नही जागी। यह बातें पीआईएल प्रभारी सतीश चतुर्वेदी ने कहीं। वे प्रेस क्लब सभागार में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वे सहारा संकल्प न्याय यात्रा लेकर सम्पूर्ण भारत के भ्रमण पर निकले हैं। वे जिलों में कार्यक्रम आयोजित कर सहारा के जमाकर्ताओं को पीआईएल से जुड़ने को प्रेरित कर रहे हैं। श्री चतुर्वेदी ने कहा पिछले 3 साल से भुगतान के लिये जारी संघर्ष का नतीजा रहा कि गृहमंत्री ने खुद घोषणा किया कि जमाकर्ताओं को पाई पाई भुगतान किया जायेगा। लेकिन पता चला है कि शासन के दबाव में जिला प्रशासन के द्वारा उनके चहेतों का भुगतान किया जा रहा है जिसके अनेक प्रमाण हैं। चतुर्वेदी ने यह भी कहा कि आरटीआई के जरिये मिली जानकारी के अनुसार देशभर में 242 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया है, हैरानी इस बात की है इसके लिये 249 करोड़ व्यय किया गया। चतुर्वेदी ने कहा हमने वैधानिक प्रक्रिया शुरू की है, ज्यादा से जयादा लोग पीआईएल से जुड़ेंगे तो इस मामले की सुनवाई अलग बेंच करेगी और विनेशकों को जल्दी न्याय मिलेगा। संयुक्त आल इंडइया जनान्दोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के राष्टीय अध्यक्ष अभयदेव शुक्ल ने कहा सरकार इसे चेतावनी समझे या हमारी विनती, निवेशकों का पाई पाई लेकर ही दम लेंगे। पूरा देश जाग चुका है और निवेशक किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। उन्होने कहा सरकार को वर्ग संघर्ष से देश को बचाने की खातिर समय रहते निर्णायक कदम उठाना होगा। शहनाज जहां महिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश ने कहा गाढ़ी कमाई का एक एक रूपया बड़ी मशक्कत से जमाकर्ताओं ने सहारा पर भरोसा करके जमा किया था, कि बुरे वक्त में काम आयेगा। लेकिन जानबूझकर हालात खराब किये जा रहे हैं। अनेकों जमाकर्ताओं, सहारा कार्यकर्ताओं का परिवार बरबाद हो या, बच्चे अनाथ हो गया, बेटियों की शादियां नही हो पाई लेकिन सरकार की संवेदनहीनता की मार जमाकर्ता झेलता रहा। उन्होने कहा हमे कानून पर भरोसा है इसलिये लीगल प्रक्रिया शुरू की है, शीघ्र ही इसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में शुरू होगी। मोर्चा के मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु कुमार झा ने कहा सहारा कार्यकर्ताओं को आगे आकर न्याय मोर्चा की मदद करनी चाहिये।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।
– बालसोम गौतम
डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84
साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

# भ्रष्टाचार

कहते हैं कि कानून के हाथ काफी लंबे होते हैं तथा यदि पुलिस व न्यायालय चाहे तो अपराधी को पाताल से भी निकाल कर सलाखों के पीछे धकेल सकते हैं। मगर हमारे देश में पैसे व रसूख से कुछ भी खरीदा जा सकता है। हमारी रगों में भ्रष्टाचार का खून बहता है जो साफ करने पर भी गंदा ही बना रहता है। कई ऐसी हृदयविदारक घटनाएं होती हैं, जिन्हें देख कर किसी भी सामान्य व्यक्ति की संवेदनाएं जागृत हो उठती हैं। यह भी ठीक है कि हमारी पुलिस व पूरी न्यायिक व्यवस्था अपराधियों को पकडने व उन्हें सजा देने से पीछे नहीं रहती मगर कहते हैं कि पैसे के आगे सब कुछ नतमस्तक हो जाता है। हमारा कानून अपनी आंखों पर काली पट्टी पहने रहता है तथा सबूतों का ही इंतजार करता रहता है। आम सामान्य अपराधियों को भले ही सजा हो जाती है मगर धनबली जिनको राजनीतिज्ञों व पुलिस इत्यादि सभी एजेंसियों का आशीर्वाद होता है, सजा से मुक्त होने में कामयाब हो ही जाते है।

सभी कानूनी संस्थाओं को अपने अपने नियमों का भली–भांति ज्ञान होता है तथा यह एजेंसियां दिन को रात व रात को दिन बनाने में भी सक्षम होती हैं। आमतौर पर देखा गया है कि ट्रैफिक घटनाओं में पुलिस मुकद्दमा दर्ज ही नहीं करती तथा दोनों पक्षों में समझौता करवाने की कोशिश करती है। पुलिस चाहे तो बड़ी से बड़ी घटना को प्राकृतिक व सामान्य रूप दे सकती है तथा दूसरी तरफ छोटी घटना को एक बहुत बड़ा रूप भी दे सकती है। ऐसा तभी संभव होता है, जब या तो नीचे से ऊपर तक सभी भ्रष्टाचार का नंगा नाच कर रहे होते हैं या फिर कुछ ऐसे ईमानदार अधिकारी भी हैं जो खुद सत्यनिष्ठ व ईमानदार तो हैं, मगर वह या तो कानून की बारीकियों के बारे में अनभिज्ञ होते हैं या फिर वो आंखें मूंद कर अपना समय निकालते रहते हैं।

अभी हाल ही में पुणे में 19 मई की एक ऐसी सड़क दुर्घटना का उदाहरण है जो पुलिस, आबकारी विभाग व न्यायपालिका पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह पैदा करती है, जिससे इन संस्थाओं पर से लोगों का विश्वास तुरंत उठ जाता है। एक बड़े धनबली के साढ़े 17 वर्ष के नाबालिग बेटे ने 19 मई की रात को एक होटल में 48,000 की महंगी से महंगी शराब पी तथा उसके बाद नशे में धुत्त होकर अपनी 2 करोड़ की गाड़ी को 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सड़क पर एक मोटर साइकिल सवार जिस पर एक 24 वर्षीय लड़का व लड़की जा रहे थे, को बहुत बुरी तरह से कुचल कर मौके पर ही मार देता है तथा घटनास्थल से भागने की कोशिश करता है।

मगर कुछ साहसी लोगों ने अपनी नैतिकता का फर्ज समझते हुए उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। अब पुलिस किस तरह अपने लंबे हाथों को बांध कर उस अपराधी को बचाने की कोशिश करने लगती है जो सचमुच पुलिस की छवि को धूमिल कर देती है। पुलिस ने इस बिगड़ैल लड़के को थाने में ले जाकर सुबह बर्गर व पिज्जा इत्यादि खिलाया तथा घटना की एफ.आई.आर. लगभग 6 घंटे के बाद सोच–समझ कर 8 बजे दर्ज की। उसका तुरंत मैडीकल नहीं करवाया गया तथा घटना के 15 घंटे के बाद शाम 3 बजे उसका ब्लड सैंपल लिया गया। उसका एक किशोर अपराधी की तरह किशोर अपराधी अधिनियम 2015 के अंर्तगत समायोजन किया गया तथा किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश कर दिया। हालांकि इस एक्ट में विशेष प्रावधान है कि यदि कोई युवक (18 वर्ष की कम आयु वाला) कोई जघन्य अपराध करता है तो उसे एक व्यस्क व्यक्ति की तरह ही गिरफ्तार करके उस पर आगामी कार्रवाई करनी चाहिए। बेईमानी की सीमा अभी समाप्त नहीं हुई। आरोपी के पिता ने फौरेंसिक लैब के निदेशक को 3 लाख रुपए देकर अपने आरोपी बेटे के खून के सैंपल ही बदलवा दिए। इस बात का खुलासा उस समय हुआ जब पुलिस ने आरोपी के ब्लड सैंपल एक अन्य लैब में भी भेज रखे थे तथा इस लैब की रिपोर्ट के अनुसार आरोपी ने शराब पी रखी थी। पुलिस ने इस सूचना के आधार पर आरोपी डाक्टरों को षड्यंत्र रचाने के लिए गिरफ्तार कर लिया है। ऐसा तभी संभव हो सका जब जागृत जनता व मीडिया ने एकजुट होकर आवाज उठाई। न जाने इन आरोपी डाक्टरों ने पहले भी कितने अपराधियों को लाभ पहुंचा कर अपने ईमान को बेच दिया होगा। पुलिस के इस ढुलमुल रवैये के बाद हमारी न्यायपालिका का रोल आरंभ होता है। जरा देखिए यह भी किस तरह अपनी आंखों पर काली पट्टी बांध कर तराजू के दोनों पलड़ों को बराबर रखते हुए अपनी न्यायिक प्रक्रिया शुरू करती है। यह न्यायिक बोर्ड जिसका चेयरमैन ज्यूडिशियल मैजिस्ट्रेट होता है इस बिगड़ैल को 300 पंक्तियों का एक निबंध लिखवा कर छोड़ देता है। अभी आप सोच रहे होंगे कि इस घटना में राजनीतिज्ञों का क्या रोल रहा होगा। वो भी जरा जान लीजिए। घटना का पता चलते ही स्थानीय विधायक महोदय थाना में दस्तक दे देते हैं तथा वह निश्चित तौर पर पुलिस को इस केस को कमजोर करने की ही बात करते होंगे। यदि हम चुनाव में भाग लेने वाले उम्मीदवारों की बात करें तब इस समय लगभग 40 प्रतिशत उम्मीदवारों के विरुद्ध आपराधिक मामले लंबित हैं तथा कई तो ऐसे भी हैं जिनके विरुद्ध हत्या के एक से अधिक मामले लंबित हैं। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने कई बार कहा है कि ऐसे दागी उम्मीदवारों को चुनाव लडने की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

# प्यासी धरती और कृषि क्षेत्र

—ललित गर्ग—

मानवीय गतिविधियों और क्रिया–कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा है, जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव–जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल–संकट के साए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है।

भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक है, पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकि, पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं, उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमशः 40.6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत है, पिछले वर्ष वर्षा कम थी, विशेष रूप से दक्षिण भारत में, 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था दृ एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है. वर्तमान में, सिंचाई भी प्रभावित हो रही है, और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुए, आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जो दर्शाता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है।

लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है। इसके साथ ही जल संरक्षण की परंपरागत तकनीकों को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही आम लोगों को प्रकृति के इस बहुमूल्य संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की जरूरत है।

पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल–संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, उन्हीं प्रयत्नों को व्यापक स्तर पर अपनाने एवं जल–संरक्षण क्रांति को घटित करने की अपेक्षा है।

सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, अब उन पर जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव पड़ने लगा है। जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू–जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन हैं नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, इनकी रक्षा करो, इन्हें अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख–रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाकर या उनका जीर्णोद्धार करके बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं।

पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं। राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से देखने योग्य है और अनुकरणीय भी हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्रोतों को पूजा जाता है।

# 165 अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर विरोध करने आए लोगों को खदेड़ा

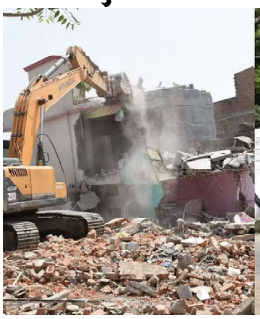

**संवाददाता–लखनऊ।** लखनऊ अकबरनगर प्रथम में कार्रवाई के दूसरे दिन एलडीए व जिला प्रशासन की टीम ने 165 अवैध निर्माण जमींदोज किए और शनिवार सुबह फिर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हो गई। इस दौरान कुछ लोग विरोध करने आए तो उन्हें सुरक्षा बलों ने खदेड़ दिया। उधर, शुक्रवार को भी लोग यहां से विस्थापित होते रहे। इन्हें बसंत कुंज योजना के प्रधानमंत्री आवास में शिफ्ट कराया जा रहा है। अकबर नगर प्रथम व द्वितीय में अब तक कुल 614 अवैध निर्माण ध्वस्त किए जा चुके हैं। इस अभियान में 15 पोकलेन मशीन, 12 जेसीबी और 15 वाटर टैंक लगाए गए हैं। सुबह सात से दोपहर दो बजे तक और फिर तीन बजे से रात आठ बजे तक कार्रवाई चल रही है।

शुक्रवार को अकबरनगर के 79 आवंटियों को प्रधानमंत्री आवास का कब्जा दिया गया। एलडीए के संयुक्त सचिव एसपी सिंह ने बताया कि अब तक 971 आवंटियों को कब्जा दिया जा चुका है। इसके अलावा 1800 अध्यासियों को प्रधानमंत्री आवास आवंटित किए गए हैं और सभी लोगों को आवंटन पत्र दिया जा चुका है। शुक्रवार को 42 लोडर वाहनों से लोगों का सामान लादकर आवंटित आवास तक पहुंचाया गया। अकबरनगर प्रथम में कुछ लोग मकान नहीं खाली कर रहे थे। प्रशासन के कई बार कहने पर भी इन्होंने सामान नहीं निकाला तो इनके मकानों की बिजली काट दी गई। बिजली–पानी की आपूर्ति बंद होने पर सभी मकान खाली करने लगे।

# नारायणपुर में सुरक्षाबलों ने आठ नक्सलियों को किया ढेर, एक जवान शहीद, दो घायल

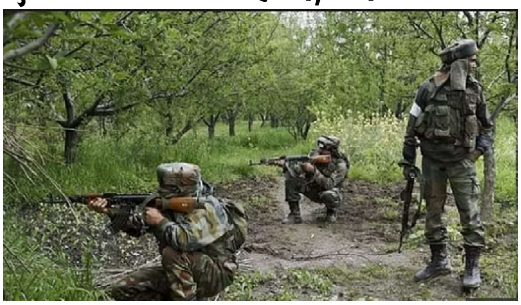

**छत्तीसगढ़ (आभा)।** छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। जानकारी के अनुसार यहां अबूझमाड़ के जंगलों में मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ में एक जवान बलिदान हो गया है और दो जवान घायल हैं। अबुझमाड़ के जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी है। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सीमावर्ती जिलों के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन चलाया है। जवानों का संयुक्त ऑपरेशन अबुझमाड़ के कुतुल फरसबेड़ा कोड़तामेटा क्षेत्र में जारी रहा। जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर जिले के माड़ में पिछले दो दिनों से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। संयुक्त ऑपरेशन में नारायणपुर–कोंडागांव–कांकेर–दंतेवाड़ा डीआरजी, एसटीएफ और आईटीबीपी 53वीं बटालियन बल शामिल हैं।

नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान बलिदान हो गए और दो के घायल होने की खबर है। बस्तर संभाग के जगदलपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, कोंड़ागांव से डीआरजी और एसटीएफ के 1400 जवान सर्चिंग पर निकले हैं। जानकारी के लिए बता दें कि 161 दिन के अंदर 141 नक्सली ढेर हो चुके हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ भी सकती है। पिछले तीन दिनों से नक्सलियों खिलाफ लगातार ऑपरेशन चल रहा है।

नारायणपुर जिले के ओरछा थाना के अंतर्गत फरसबेड़ा–धुरबेड़ा के बीच सुरक्षाबलों की नक्सलियों संग हुई मुठभेड़ में 8 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मुठभेड़ में एसटीएफ के एक जवान के शहीद होने और दो जवानों के घायल होने की भी दुःखद खबर आ रही है। घायल जवानों को तत्काल एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए राजधानी रायपुर लाया जा रहा है। ईश्वर से शहीद जवान की आत्मा की शांति और घायल जवानों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। नक्सलियों के खिलाफ हो रही कड़ी कार्रवाई से नक्सली विचलित हैं। उनके खात्मे के लिए हमारी सरकार पूरी तरह तत्पर है और जब तक लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता हम चुप नहीं बैठेंगे। नारायणपुर जिले के ओरछा थाना के अंतर्गत फरसबेड़ा–धुरबेड़ा के बीच सुरक्षाबलों की नक्सलियों संग हुई मुठभेड़ में 8 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

# कोर्ट का स्टे नही मान रहे दबंग, हो रहा जबरिया कब्जा

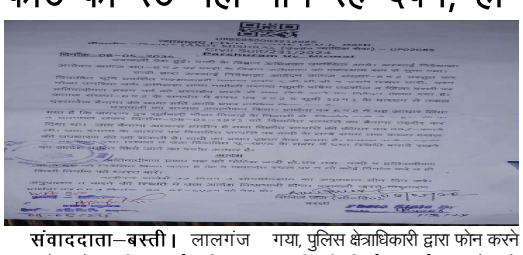

**संवाददाता–बस्ती।** लालगंज थाना क्षेत्र के उमरिया उर्फ अमिलहा निवासी परशुराम पुत्र रामबली ने विपक्षी निर्मल, रामकरन पुत्र भागीरथी, शेषराम, संदीप पुत्र जगराम, तथा पंकज पुत्र रामकरन द्वारा दबंगई से अपनी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। परशुराम का कहना है कि इस बावत तहसील दिवस में शिकायती पत्र दिया गया, पुलिस क्षेत्राधिकारी द्वारा फोन करने पर विपक्षी निर्माण कार्य कुछ देर के लिये बंद कर देते हैं किन्तु पुनः मनमानीपूर्वक निर्माण शुरू करा देते हैं। मना करने पर वे फौजदारी पर उतर आते हैं।

स्थानीय पुलिस विपक्षी पर दबाव नही बना पा रही है। परशुराम का कहना है कि गांव में डीही आबादी की 100 फिट चौड़ाई व 110 फिट लम्बाई की जमीन है। यह बैनामाशुदा है। सिविल जजज जूनियर डिवीजन बस्ती ने उक्त जमीन पर स्थगन आदेश दिया है, लेकिन पुलिस और विपक्षी दोनो स्थगन आदेश नही मान रहे हैं। परशुराम ने यह भी कहा कि राकमरन थाने पर चौकीदार है, उसी के नाते स्थानीय पुलिस मामले में रूचि नही ले रही है।

समय रहते एक्शन नही लिया गया तो विपक्षी दूसरे की जमीन पर अपना मकान खड़ा करने में सफल हो जायेगा और गांव मं इस बात को लेकर दो पक्षों में तान हमेशा बना रहेगा। उन्होने उच्चाधिकारियों से गुहार लगाया है कि मामले में ठोस कार्यवाही कर मौके पर अवैध कब्जा रोकते हुये शांति कायम रखी जाये।

# सीएम योगी ने कहा- चलो जाओ अंदर, आवाज सुनते ही बाड़े में चला गया बब्बर शेर

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (गोरखपुर चिड़ियाघर) में बब्बर शेर भरत और शेरनी गौरी को बाड़े में प्रवेश कराया। इन दोनों को मई माह के अंतिम सप्ताह में इटावा लायन सफारी से यहां लाया गया था। मुख्यमंत्री द्वारा इन्हें बाड़े में छोड़े जाने के बाद अब चिड़ियाघर आने वाले दर्शक बब्बर शेर की इस जोड़ी का दीदार कर सकेंगे। इसके पहले दो जून को भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चिड़ियाघर का भ्रमण करने आए थे, तब उन्होंने बब्बर शेर पांच साल के भरत और शेरनी गौरी को देखने के साथ उनके बारे में जानकारी ली थी। गोरखपुर चिड़ियाघर से सीएम योगी को बहुत लगाव है, जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह यहां वन्यजीवों को देखने और उनके देखभाल की जानकारी लेने आते हैं। शनिवार को वह बब्बर शेर की जोड़ी भरत और गौरी को बाड़े में छोड़ने आए। मुख्यमंत्री के साथ वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना भी थे। जैसे ही सीएम ने क्रॉल का गेट खोलकर यह कहा कि चलो जाओ, बब्बर शेर दौड़ते हुए बाड़े में चला गया। मुख्यमंत्री ने यहां चिड़ियाघर के निदेशक एवं डीएफओ विकास यादव से दोनों शेरों के बारे में जानकारी ली। शेर के बाड़े के समीप हरिशंकरी पौधे का रोपण कर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सीएम ने यहां तैल चित्रों का भी अवलोकन किया। सीएम योगी ने चिड़ियाघर का भ्रमण करते हुए निरीक्षण भी किया। इस दौरान भ्रमण करते हुए सीएम योगी गैंडों की जोड़ी हरि और गौरी के बाड़े के पास पहुंचे और अपने हाथों से दोनों को चारा खिलाया। गैंडों की यह जोड़ी मुख्यमंत्री को काफी प्रिय है और इसके पहले 2 जून को वह यहां आकर उन्हें केले खिला चुके हैं।

भ्रमण के दौरान सीएम योगी हिमालयन भालू बिल्लू के बाड़े पर भी पहुंचे। उसे आवाज देकर बुलाया। गर्मी से परेशान इस भालू को उन्होंने आइसक्रीम, बर्फ का गोला और शहद खिलाया। हरि–गौरी और बिल्लू के बाड़े के पास सीएम ने कुल मिलाकर करीब 12 मिनट का वक्त बिताया। उन्होंने चिड़ियाघर के अन्य वन्यजीवों के बाड़ों का भी अवलोकन किया। चिड़ियाघर भ्रमण के दौरान सीएम योगी ने लखीमपुर के जंगल से रेस्क्यू कर लाए गए बाघ का नामकरण किया। बाघ का नाम उन्होंने शक्ति रखा। नामकरण के बाद बाड़े के अंदर यह बाघ काफी देर तक दहाड़ता रहा।

चिड़ियाघर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां आए वनटांगिया बस्ती, पूर्व माध्यमिक विद्यालय जंगल तिकोनिया नम्बर तीन के बच्चों से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें आशीर्वाद दिया। उन्हें चॉकलेट भी गिफ्ट की। इस दौरान उन्होंने अभिभावक जैसे बच्चों को समझाया कि चॉकलेट का रैपर या अन्य कूड़ा इधर उधर न फेंकें, डस्टबिन में ही डालें। गर्मी को देखते हुए खूब पानी पीते रहें। मुख्यमंत्री ने यहां लायन थीम पर फेस पेंटिंग कराए कुछ बच्चों से खूब हंसी ठिठोली की।

# आम तोड़ने के विवाद में भतीजे ने चाचा को पीट-पीट कर मार डाला

**संवाददाता–गोण्डा।** आम तोड़ने को लेकर उपजे विवाद में भतीजे ने चाचा को अपने दो अन्य सहयोगियों के साथ पीट–पीट कर मार डाला। ग्रामीणों के दौड़ने पर वह फरार हो गया। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने मृत्यु घोषित कर दिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। परिजनों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बहराइच जिले के पयागपुर थाना के गांव हंसुवापारा गांव के रहने वाले 55 वर्षीय मोतीलाल की उसके भतीजे ने आम तोड़ने की विवाद को लेकर अपने सगे चाचा की अन्य दो सहयोगियों के साथ मिलकर लाठी डंडों से पीट–पीटकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मृतक के दामाद की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक हंसुवापारा गांव के रहने वाले मोतीलाल अपने पूरे परिवार के साथ रहते थे। आम तोड़ने को लेकर भतीजे रामराज से उनका विवाद चल रहा था। परिवार के लोगों का आरोप है कि रामराज ने अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी डंडे से पीठ पीठ कर उन्हें मरणासन्न कर दिया।

परिजन उन्हें अस्पताल लेकर गए जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूरे घटनाक्रम का गहराई से छानबीन किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चल सकेगा। तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# कुवैत अग्निकांड और जम्मू आतंकी हमले के पीड़ितों को मदद, सीएम योगी ने दिए चेक

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुवैत अग्नि हादसे में जान गंवाने वाले गोरखपुर के दो कामगारों के परिजनों और जम्मू के शिवखोड़ी में आतंकी हमले में घायल श्रद्धालुओं से मिलकर उनकी पीड़ा पर संवेदना का मरहम लगाया। इसके साथ ही उन्हें आर्थिक सहायता देकर आश्वस्त किया कि किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

पिछले दिनों कुवैत में एक बहुमंजिला भवन में आग लगने से करीब चार दर्जन लोगों की मौत हो गई थी। इनमें गोरखपुर के सदर तहसील क्षेत्र के जटेपुर उत्तरी निवासी अंगद गुप्ता और कैम्पियरगंज तहसील क्षेत्र के भम्मौर निवासी जयराम गुप्ता भी शामिल थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विदेश मंत्रालय और कुवैत में भारतीय दूतावास से संपर्क कर उनके शवों को सम्मानपूर्वक उनके घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था कराई। शनिवार को दोनों मृतकों के शव घर आए और ससम्मान अंतिम संस्कार किया गया। रविवार सुबह मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में दोनों मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना प्रकट की और ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने अंगद गुप्ता की पत्नी रीता देवी और जयराम गुप्ता की पत्नी सुनीता को पांच–पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक भी प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने दोनों परिवारों से कहा कि दुख की इस घड़ी में वह उनके साथ खड़े हैं।

सीएम योगी ने जम्मू के शिवखोड़ी में पिछले दिनों आतंकी हमले में घायल गोरखपुर के पुर्दिलपुर निवासी राजेश, रिकसोना, भैरोपुर निवासी गायत्री और सोनी को भी एक–एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक दिया। रिकसोना की आर्थिक सहायता का चेक उनके पति राजेश ने प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने इन सभी घायलों के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी ली और कहा कि सरकार इलाज में कोई कमी नहीं आने देगी। उल्लेखनीय है कि शिवखोड़ी में हुए आतंकी हमले की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की टीम को घायलों के इलाज और वहां फंसे श्रद्धालुओं को सकुशल उनके घर वापस लाने के लिए लगाया था।

# जिले को मिले 20 चार पहिया और 15 दो पहिया पीआरवी वाहन

**संवाददाता–गोण्डा।** जिले के एसपी विनीत जायसवाल के निर्देशन में जिले को प्राप्त नये पीआरवी वाहनों को प्रभारी निरीक्षक डायल–112 ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा आपाताकालीन पुलिस सेवा को और प्रभावी तथा बेहतर बनाने के लिए डायल–112 मुख्यालय से गोंडा को अतिरिक्त 20 नये चार पहिया वाहन (स्कार्पियो) तथा 15 दो पहिया वाहन (पल्सर) प्राप्त हुए हैं। पुलिस लाइन गोण्डा में प्रभारी निरीक्षक यूपी–112 रामपाल यादव ने हरी झण्डी दिखाते हुए पीआरवी वाहनों को रवाना किया। जो सम्बन्धित थानों के क्षेत्रान्तर्गत तैयार किए गये रूट चार्ट के अनुसार फील्ड में आपरेशनल किया गया है। डायल–112 में नये पीआरवी वाहनों के शामिल होने से आपातकालीन पुलिस सेवा और बेहतर तथा प्रभावाशाली होगी। जिससे किसी भी घटना की सूचना पर रिस्पांस टाइम में सुधार करने में मदद मिलेगी। इस प्रकार जिले में कुल 49 चार पहिया और 26 दो पहिया वाहन की संख्या हो गई है। एसपी ने सभी को सीओ को निर्देश दिए हैं कि आपके क्षेत्र को मिल रहे डायल 112 के इवेंट का विश्लेषण कर नए सिरे से पीआरवी वाहनों का रूट चार्ट तैयार करें।

# घोसी में हार पर योगी सरकार के कैबिनेट मंत्रियों में रार, ओपी राजभर पर अनिल राजभर का हमला

**वाराणसी (आभा)।** यूपी खासकर घोसी लोकसभा सीट पर सपा की जीत और सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर के बेटे अरविंद राजभर की हार पर योगी सरकार के दो कैबिनेट मंत्रियों में जुबानी जंग तेज हो गई है। ओपी राजभर का कल एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें राजभर ने पीएम मोदी और सीएम योगी को जनता की तरफ से नकारने की बात बोली थी। इसी को लेकर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने पलटवार करते हुए कहा कि उनके बेटे (अरविंद राजभर) को जो वोट मिला है वो बीजेपी का वोट है। ओपी राजभर से समाज के लोग क्यों दूर गए? इस पर उन्हें विचार करना चाहिए। ओपी राजभर ने बलिया के रसड़ा में आयोजित सुभासपा की बैठक में बेटे अरविंद राजभर की हार का ठिकरा भाजपा पर फोड़ते हुए कहा था कि जनता ने मोदी और योगी को नकार दिया। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि ओपी राजभर के बेटे अरुण राजभर ने वीडियो को फेक बताते हुए कहा था कि यह कट पेस्ट से तैयार किया गया है। इस बीच वाराणसी के

सर्किट हाउस में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि ओपी राजभर खुद अपनी विधानसभा नहीं बचा सके थे। घोसी में निर्दल प्रत्याशी लीलावती राजभर को 45 हजार वोट मिला था। जहूराबाद से वह विधायक हैं। वहां से भी एनडीए के प्रत्याशी नीरज शेखर 15 हजार वोटों से हार गए हैं। यह भी नसीहत दी कि खबर में बने रहने के लिए इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। कहा कि ये वक्त ईमानदारी से हार की समीक्षा करने का है। ओपी राजभर को ये भाषा नही बोलना चाहिए जो विरोधी बोल रहे हैं। आज पूरी दुनिया मोदी को बधाई दे रही है। वैसे यह पहला मौका नहीं है जब अनिल राजभर ने ओपी राजभर पर इस तरह से पलटवार किया है। अनिल राजभर इससे पहले भी ओपी राजभर का विरोध कर चुके हैं। हालांकि कहा यह भी जाता है कि ओपी राजभर की एनडीए में वापसी का न केवल अनिल राजभर विरोध कर रहे थे बल्कि यूपी भाजपा इसके खिलाफ थी। ओपी राजभर भी कई बार दिल्ली से अपनी लाइजनिंग की बातें खुलेआम बोल भी चुके हैं।

# पिता–पुत्री ने आत्मदाह का किया प्रयास

**संवाददाता–गोरखपुर।** पन्द्रह दिन से जमीनी विवाद का निपटारा नही होने पर शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस पर डुमरी खास के एक पिता पुत्री ने तहसील मुख्यालय पर अपने ऊपर मिट्टी का तेल गिराकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। तहसील मुख्यालय पर मौजूद पुलिसकर्मी पिता पुत्री को आत्मदाह करने से बचाते हुए दोनो को हिरासत में लेकर थाने लेकर चले गए। इस घटना पर पूरे तहसील परिसर में हड़कंप मचा हुआ है। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के डुमरी खास निवासी घनश्याम ने बताया कि अपने ही मकान मे हिस्सा लेने के लिए पिछले पंद्रह दिनों से तहसील, थाना का चक्कर काट रहा है। पीड़ित ने बताया कि उसके भाई भी हिस्से के मकान पर कब्जा कर लिया है। मकान में वह लोग निर्माण कार्य भी कर रहे है। लेकिन उनके हिस्से की मकान नही दे रहे हैं। घनश्याम अपनी पुत्री प्रीति के साथ शनिवार को तहसील मुख्यालय पहुंचा और मिट्टी का तेल गिराकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर नायब तहसीलदार संजय कुमार सिंह ने पिता पुत्री को समझाया और शीघ्र समस्या समाधान करने का भरोसा दिया।

# जयराम और अंगद का घर पहुंचा शव

**संवाददाता–गोरखपुर।** कुवैत में अग्निकांड के शिकार हुए गुलरिहा के जयराम गुप्ता और गोरखनाथ के उत्तरी जटेपुर निवासी अंगद गुप्ता का शुक्रवार को शव उनके घर पहुंच गया। शव देख परिवारीजन दहाड़े मार कर रोने लगे। शुभचिंतक और रिश्तेदारों की भीड़ लग गई। दोनों कुवैत में कमाने गए थे। जयराम गुप्ता एक बैंक में कैशियर का काम करते थे जबकि अंगद भी वहीं जॉब करते थे। जयराम और अंगद का शव शनिवार को गोरखपुर एयरपोर्ट पर आया।

इससे पहले कुवैत से दिल्ली आया था वहां से घर भेजवाने की व्यवस्था की गई थी। गोरखपुर एयरपोर्ट से दोनों के घर शव पहुंचाया गया। ताबूत में रखे शव को देख दोनों के परिवारीजनों में कोहराम मच गया। पत्नी और बच्चों का रो–रो कर बुरा हाल था। मौके पर मौजूद अन्य लोगों की भी आंखें नम हो गई थी।

## मुख्यमंत्री योगी व कंगना का वीडियो एडिट कर एक्स पर किया वायरल, एफआईआर दर्ज

**संवाददाता–लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व सांसद कंगना रनौत का वीडियो एडिट कर एक्स पर वायरल करने वाले यूजर के खिलाफ हजरतगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। वहीं, एक और एक्स यूजर ने भी सीएम का एडिट वीडियो वायरल किया है। गोमतीनगर स्थित गोल्डन क्रश अपार्टमेंट निवासी रवि प्रकाश के मुताबिक एक्स पर एक यूजर ने अपने अकाउंट / फेसबुक भाजपा से एक एडिट वीडियो पोस्ट की। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भाषण के अंश के साथ ही सांसद व अभिनेत्री कंगना रणौत के वीडियो को एडिट कर उसे आपत्तिजनक बनाकर दिखाया गया है। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह के मुताबिक दोनों मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

## अयोध्या से हैदराबाद की सीधी उड़ान यात्री न मिलने से बंद

**संवाददाता–अयोध्या।** रामनगरी से एक और शहर की विमान सेवाएं अब बंद हो चुकी हैं। उड़ानें बंद होने का सिलसिला लगातार जारी है। पिछले चार महीने में छह शहरों की फ्लाइट ठप हुई हैं। दो अप्रैल को स्पाइसजेट ने रामनगरी से हैदराबाद की सीधी उड़ान सेवा शुरू की थी। दो महीने तक दोनों शहरों के बीच विमान चलाने के बाद अब ये फ्लाइट भी यात्रियों की कमी के चलते बंद कर दी गई है। हैदराबाद की यह फ्लाइट सप्ताह में मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को संचालित होती थी। इसका किराया करीब 8000 रुपये था। विज्ञापन इस विमान सेवा के अलावा भी कई फ्लाइट हैं जो अब तक बंद की जा चुकी हैं। इनमें सबसे पहले पटना और दरभंगा की फ्लाइट बंद हुई थी। इसके बाद देहरादून से शुरू हुई फ्लाइट भी मात्र एक सप्ताह में ही ठप हो गई थी।

# गंगा नदी में नाव पटलने से 5 लोग डूबे

**पटना (आभा)।** राजधानी पटना में बाढ़ के उमाशंकर घाट पर रविवार की सुबह पांच लोग गंगा में डूब गए। सभी नालंदा से शव का अंतिम संस्कार करने आए थे। अंतिम संस्कार के बाद स्नान के लिए नाव से गंगा के दूसरे छोर पर जाने के दौरान यह हादसा हुआ। डूबने वालों में एनएचएआई के पूर्व क्षेत्रीय अधिकारी अवधेश कुमार और उनके पुत्र समेत पांच लोग शामिल बताए जा रहे हैं। एनडीआरएफ की टीम डूबे लोगों की तलाश कर रही है। पटना के डीएम शीर्षत कपिल अशोक भी मौके पर पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी ली। पटना के एसएसपी राजीव मिश्रा ने बताया कि नाव पर एक ही परिवार के 17 लोग सवार थे।

इनमें 12 को नाविकों और स्थानीय गोताखोरों की मदद से बचा लिया गया। एसडीआरएफ टीम भी मौके पर पहुंच गई है और गंगा में डूबे लोगों की तलाश में जुटी है। बताया जाता है कि नाव हादसे में डूबने वालों में अवधेश कुमार (60 वर्ष), उनके पुत्र नीतीश कुमार (30 वर्ष), हरदेव प्रसाद (65 वर्ष) और एक महिला समेत कुल पांच लोग शामिल है। हालांकि आधिकारित तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई है। हादसे की खबर मिलने के बाद बाढ़ एसडीएम, एएसपी, थाना प्रभारी भी वहां पहुंचे और एसडीआरपीएफ की टीम को बुलाया गया। अभी तक डूबे हुए लोगों का कोई अता–पता नहीं चला है।

# आम आदमी का विश्वास जीतें, एमपी-एमएलए के लिए ये जरूरी, विकास कार्यों की खुद करें निगरानी -सीएम योगी

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सांसद, विधायक समेत सभी जनप्रतिनिधियों का आह्वान किया है कि वे विकास और जन कल्याण के कार्यों की सतत निगरानी करें। सभी जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्र में पात्रों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने को तत्पर रहें, विकास कार्यों के नए प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। सुरक्षित माहौल में विकास और जनकल्याण सरकार की प्रतिबद्धता है।

सीएम योगी रविवार को एनेक्सी भवन में गोरखपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रहे थे। अनौपचारिक अंदाज में हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई दी और लोकसभा चुनाव में पूरे मनोयोग से परिश्रम करने वाले विधायकगण को साधुवाद दिया।

उन्होंने संवाद के लिए आहुत इस बैठक में उपस्थित सभी विधायकों से उनके क्षेत्र में जारी विकास कार्यों, जनकल्याण के कार्यक्रमों की उपलब्धियों की जानकारी ली। कहा कि विकास सतत चलने वाली प्रक्रिया है। क्षेत्र में विकास की जितनी भी गुंजाइश है, सभी जनप्रतिनिधि उस पर प्रस्ताव तैयार कराएं। साथ ही ऐसे पात्र लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से जोड़ें जिन्हें किन्हीं कारणवश किसी योजना का लाभ न मिल पाया हो।

सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है। हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है कि वह जनता की समस्याएं और उनकी अपेक्षाएं सुनें तथा उसके अनुरूप विकास और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाए। आमजन की संतुष्टि ही किसी जनप्रतिनिधि के काम का मानक है, इसलिए आम आदमी का विश्वास जीतें और इस विश्वास की डोर को और मजबूत करते रहें। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने हालिया संपन्न लोकसभा चुनाव में पार्टी के विधानसभावार प्रदर्शन पर भी चर्चा की और सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अभी से आगामी लक्ष्य के संधान में जुट जाएं।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, सांसद रविकिशन, विजय दूबे, शशांक मणि, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायकगण फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेन्द्रपाल सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, जयप्रकाश निषाद, शलभ मणि त्रिपाठी, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, प्रेम सागर पटेल, ऋषि त्रिपाठी समेत कई विधायक, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, रतनपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

# गले माफी की तख्ती लटकाए थाने में पहुंचा दबंग

**संवाददाता–बस्ती।** युवक की कनपटी पर तमंचा सटाकर धमकी देने वाले मनबढ़ पर शिकंजा कसा तो उसकी सारी हेकड़ी निकल गई। सीने पर माफी की तख्ती लटकाए मनबढ़ सीधे लालगंज थाने पहुंच गया। जहां पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लालगंज थाने के जिगिना देव निवासी मनजीत विश्वकर्मा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह अमित नाम के युवक को पकड़कर उसकी कनपटी पर तमंचा ताने हुए था। अमित के पिता ने केस दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

# पहली जुलाई से दस रुपये हो जाएगा ट्रेनों का न्यूनतम किराया

**संवाददाता–लखनऊ।** एक जुलाई से ट्रेनों को स्पेशल की जगह रेगुलर नंबर से चलाया जाएगा। इनका न्यूनतम किराया कोरोना काल से पहले की तरह दस रुपये कर दिया जाएगा। इसकी आधिकारिक सूचना जल्द रेलवे की ओर से जारी की जाएगी। कोरोना काल के पहले पैसेंजर, मेमू आदि ट्रेनों को नियमित नंबरों से चलाया जाता था। महामारी के बाद ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया। इसके बाद जब ट्रेनों का संचालन शुरू किया गया तो पैसेंजर आदि ट्रेनों को स्पेशल ट्रेन बनाकर चलाया जाने लगा। इनका न्यूनतम किराया दस से 30 रुपये कर दिया गया। इतना ही नहीं मेल–एक्सप्रेस का किराया लगने पर यात्रियों को रिजर्वेशन कराना पड़ता था, जिस पर दस से पंद्रह रुपये अतिरिक्त चार्ज लगते थे। इससे लखनऊ से कानपुर का किराया बुक कराने पर 30 से 45 रुपये हो जाता था।

अब रेलवे दोबारा इन ट्रेनों को पहली जुलाई से नियमित नंबरों से चलाएगा। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ने 24 ट्रेनों के रेगुलर नंबर हाल ही में जारी किए गए हैं। जिन ट्रेनों में यात्रियों से मेल–एक्सप्रेस का किराया लिया जाता था, उनसे पैसेंजर ट्रेनों का किराया लिया जाएगा। इससे यात्रियों को राहत मिलेगी। किराया कम होने को लेकर रेलवे अफसर अभी कुछ नहीं बोल रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि जल्द नया किराया भी जारी किया जाएगा। प्रदेश के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा की व्यवस्था और चुस्त दुरुस्त होगी। इनमें लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज और गोरखपुर स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। स्टेशनों को बैगेज स्कैनर समेत अन्य सुरक्षा उपकरणों से भी लैस किया जाएगा। ट्रेनों के कोच और रेल इंजन के सामने भी कैमरा लगाए जाएंगे। यह फैसले पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को राज्य स्तरीय रेलवे सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए हैं। बैठक में ट्रेनों पर पथराव की घटनाओं को रोकने और ट्रैक को बाधित करने वालों पर भी सख्ती का फैसला हुआ। रेलवे में ठेके पर रखे गए कार्मिकों का सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए गए हैं। रेलवे गोरखपुर से मुंबई वाया लखनऊ 17 जून से स्पेशल ट्रेन चलाएगा। इसमें बुकिंग शुरू हो गई है। ट्रेन में जनरल के छह, थर्ड एसी के दो, स्लीपर के आठ कोच लगाए जाएंगे। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा ने बताया कि ट्रेन 05325 गोरखपुर से 17 से 28 जून तक हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को रात सवा नौ बजे चलकर अगली रात 2.55 बजे लखनऊ व तीसरे दिन मुंबई सुबह 7.25 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 05326 मुंबई से 19 से 30 जून तक हर बुधवार, शुक्रवार और रविवार को सुबह 10.25 बजे चलकर दूसरे दिन लखनऊ दोपहर पौने बारह बजे पहुंचकर शाम छह बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

# अखिलेश यादव ने फिर जताया ईवीएम पर शक, कहा– बैलेट पेपर से हो चुनाव

**लखनऊ (आभा)।** लोकसभा चुनाव के बाद भले ही इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन को लेकर उस तरह से सवाल नहीं उठे जिस तरह से पिछले पहले उठते रहे हैं। लेकिन अब एलन मस्क का दावा सामने आने के बाद एक बार फिर ईवीएम को लेकर विपक्षी गठबंधन ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। अखिलेश यादव ने रविवार को अपना पुराना राग फिर से अलापा। एलन मस्क की खबर को पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि आने वाली सभी चुनाव ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से हो। अखिलेश यादव ने यह भाजपा पर निशाना साधते हुए यह भी पूछ लिया कि ईवीएम से ही चुनाव को लेकर बीजेपी क्यों जिद कर रही है। अखिलेश से पहले राहुल गांधी ने भी कहा कि ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स है। इसे किसी को भी जांच करने की इजाजत नहीं है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि 'टेक्नॉलजी' समस्याओं को दूर करने के लिए होती है, अगर वही मुश्किलों की वजह बन जाए, तो उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। कहा कि आज जब विश्व के कई चुनावों में स्टड को लेकर गड़बड़ी की आशंका जाहिर की जा रही है और दुनिया के जाने–माने टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स स्टड में हेराफेरी के खतरे की ओर खुलेआम लिख रहे हैं, तो फिर स्टड के इस्तेमाल की जिद के पीछे की वजह क्या है, ये बात भाजपाई साफ करें। कहा कि आगामी सभी चुनाव बैलेट पेपर (मतपत्र) से कराने की अपनी मांग को हम फिर दोहराते हैं।

# 14 सीएचसी अधीक्षक व सीएमओ का वेतन रोका, एक की सेवा समाप्त

**संवाददाता–बहराइच।** स्वास्थ्य अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही के कारण जिले की स्वास्थ्य सेवाएं सुधार नहीं रही हैं। जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीएचसी में प्रसव पीड़िताओं का न इलाज हो रहा है और न ही ऑपरेशन किए जा रहे है। डीएम की बैठक में विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से इसकी पोल खुली। इस पर डीएम ने सीएमओ समेत जिले के 14 सीएचसी अधीक्षकों का वेतन रोकते हुए एक की सेवा समाप्त करने का आदेश दिया है। पीपी आईयूसीडी डाटा में सुधार न होने, आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति धीमी होने, चिकित्सकों की ओर से मानक से कम सर्जरी करने से नाराज जिलाधिकारी मोनिका रानी ने यह कार्रवाई की है। कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी के तेवर तल्ख दिखे। स्वास्थ्य सेवाओं में डॉक्टरों द्वारा की जाने वाली घोर लापरवाही सामने आ गई। लगातार निर्देश के बाद भी सुधार न होने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने बताया कि पीपी आईयूसीडी डाटा में सुधार न होने तथा शल्य चिकित्सकों द्वारा मानक से कम सर्जरी करने पर मुख्य चिकित्साधिकारी, समस्त एमओआईसी व डीपीएम का माह जून का वेतन बाधित किया गया है। जबकि मानक से कम सर्जरी करने पर सभी शल्य चिकित्सकों की वार्षिक वेतनवृद्धि रोक दी गई है। डीएम ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया कि अच्छा कार्य करने वाले स्वास्थ्य वर्करों को सम्मानित किया। नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वर्ष 2020 से पैदा होने वाले समस्त बच्चों का पंजीकरण कराकर जन्म प्रमाण पत्र बनाया जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर, प्रभारी सीएमओ डॉ. राजेश कुमार, सीएमएस डॉ. एमएमएम त्रिपाठी, डीपीएम सरयू खान, डीपीओ राज कपूर, एमओआईसी, सीडीपीओ आदि मौजूद रहे।

# उ.प्र. चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ का चुनाव रविवार को

**संवाददाता–बस्ती।** उ.प्र. चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ का द्विवार्षिक अधिवेश /चुनाव रविवार को प्रेस क्लब के सभागार में दिन में 10 बजे से होगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष मनसा राम ने बताया की प्रदेश नेतृत्व के आदेश के क्रम में चुनाव सम्पन्न कराने की पूरी तैयारी कर ली गई है। अधिवेशन/ चुनाव में समस्त विभागों के चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी, प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

# डीएम के प्रयास से विकास को लगेंगे पंख, मार्केटिंग के क्षेत्र में टाटा कंपनी के साथ होगा एमओयू

**संवाददाता–बलरामपुर।** बलरामपुर के डीएम के साथ टाटा ग्रुप के प्रतिनिधियों की एक बैठक संपन्न हुई। विकास कार्यों में बड़े स्तर पर टाटा ग्रुप प्रशासन को तकनीक एवं अन्य स्तर पर सहयोग करेगा। जिले में किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने तथा नई–नई तकनीक के माध्यम से कृषि, मत्स्य पालन, जलाशयों की डिसिलटिंग फूलों की खेती और उसकी मार्केटिंग गन्ने के उत्पादन बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने किए गए बड़े–बड़े कार्य एवं इस्तेमाल की जा रही है। तकनीको का सहयोग लेने के लिए डीएम ने टाटा ग्रुप मुंबई से संपर्क किया। इसको लेकर रविवार को टाटा ग्रुप मुंबई से आए वरिष्ठ प्रतिनिधियो के साथ अपने आवास पर बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। जिस पर टाटा ग्रुप ने प्रशासन के साथ सहयोग एवं काम करने की सहमति दे दी है। जल्द ही राज्य सरकार, जिला प्रशासन बलरामपुर और टाटा ग्रुप के बीच एमओयू भी हो सकता है। फूलों सहित विभिन्न कृषि उत्पाद की मार्केटिंग के लिए तैयार हो रही रणनीतिडीएम के निर्देशन में रेहरा बाजार में बड़े पैमाने पर फूलों की खेती कराई जा रही है। तथा इसकी मार्केटिंग को अयोध्या धाम लखनऊ एवं गोरखपुर से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे किसानों को उपज का अच्छा मूल्य मिले। उनकी आय में वृद्धि हो सके। कृषि एवं औद्यानिक उत्पादों तथा मत्स्य उपज को लखनऊ एयरपोर्ट के माध्यम से देश विदेश भेजने को लेकर रणनीति पर भी काम किया जाएगा। जिले की प्रमुख नदी राप्ती एवं बड़े जलाशयों में जमा सिल्ट की सफाई नियमों के तहत कैसे की जाए। जिससे सिल्ट की सफाई के बाद जलाशय में पूरी क्षमता से पानी स्टोर हो सके। जिले को बाढ़ जैसी विभीषिका से रोका जा सके। जलाशयों के पानी का उपयोग किस प्रकार सिंचाई एंव मत्स्य पालन एवं अन्य कार्यों में उपयोग किया जाए। इस पर भी गहन चर्चा हुई। डीएम ने टाटा ग्रुप के प्रतिनिधि के साथ गन्ने की उत्पादकता में कैसे वृद्धि की जा सके एवं उत्पादकता वृद्धि के लिए किस प्रकार के प्रद्योगिकी का प्रयोग किया जा सके। इसके विषय में जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने महाराष्ट्र से आये टाटा ग्रुप के प्रतिनिधियों से व्यापक परिचर्चा की। इस परिचर्चा में महाराष्ट्र से आए टाटा ग्रुप के प्रतिनिधि से जिलाधिकारी ने जिले में कराया जा रहे बड़े विकास कार्य एवं इनोवेशन की सराहना की। टाटा मोटर्स ने पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस संबंध में जिलाधिकारी ने बताया कि पुनः बैठक कर विस्तृत कार्य योजना तैयार कराई जाएगी। तथा शासन एंव प्रशासन तथा टाटा ग्रुप के बीच त्रिस्तरीय एमओयू किया जाएगा।

# गंगा दशहरा पर कृषि मंत्री ने खनुआ नदी को प्रधानों संग किया साफ

**संवाददाता–देवरिया।** रविवार को प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गंगा दशहरा के मौके पर अपने पैतृक गांव पकहां से गुजरने वाली खनुआ नदी की सफाई कर अभियान का शुभारंभ किया। इसमें कृषि मंत्री के साथ दर्जनों गांवों के प्रधान और भाजपा कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 7रू00 बजे कृषि मंत्री और आस–पास के गांव के सैकड़ों ग्रामीण खनुआ नदी पर एकत्रित हुए। इसके बाद कृषि मंत्री और ग्रामीण नदी में उतरे। उन्होंने नदी के अंदर से शैवाल और अन्य कूड़ा–करकट को बाहर निकाल कर फेंका। इसमें चार नावें लगाई गई थी। सफाई अभियान करीब दो घंटे तक चला। इसके पहले श्री शाही ने गांव स्थित चतर्भुज मंदिर पर लोगों के साथ योग किया। इसके बाद गंगा पूजन किया। श्री शाही ने कहा कि यह खनुआ नदी रामाबाग स्तूप से निकलकर बनवारी टोला, धनौटा, बंजरिया, नारायणपुर और पकहां से होते हुए भटनी के छोटी गंडक में मिल जाती है। सभी लोग अपनी जिम्मेदारियों को समझे तो पर्यावरण की समस्या दूर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान के बाद छोटी गंडक नदी की सफाई के लिए पहल की जाएगी।

कृषि मंत्री ने लोगों से सफाई अभियान से जुड़ने की अपील की। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य सुजीत प्रताप सिंह, पथरदेवा ब्लॉक के प्रधान संघ के अध्यक्ष मुरारी मोहन शाही, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष शुभम राव, महामंत्री अभिषेक सिंह, रंजीत गुप्ता, मंडल अध्यक्ष रमेश सिंह, रामायन साहनी, विनोद सिंह, शुभम राय, युगल किशोर तिवारी, ध्रुवदेव शाही, जीतू शाही, नवीन शाही, संतोष गुप्ता और कौशिक मौजूद थे।

# पति संग जिला अस्पताल में इलाज कराने आई महिला हुई लापता

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** जिले में पति के साथ जिला अस्पताल में इलाज कराने आई एक महिला लापता हो गई। पीड़ित पति ने पहले पत्नी की तलाश किया, बाद में पता न चलने पर कलक्ट्रेट चौकी पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो इमरजेंसी कक्ष के आस–पास महिला दिखाई पड़ी, लेकिन बाहर के कैमरे काम न करने से कुछ पता नहीं चल सका।

दुधारा क्षेत्र के रहने वाले पीड़ित पति ने बताया कि उसकी पत्नी को ट्यूमर हुआ था। जिसका ऑपरेशन हुआ था। पत्नी को कुछ समस्या हुई तो उसे डॉक्टर को दिखाने के लिए शुक्रवार को जिला अस्पताल ले गया। डॉक्टर को पत्नी को दिखाया और दवा लिया। उसी समय नमाज का समय हो गया था तो पत्नी को अस्पताल में बैठा कर बाहर गेट के पास नमाज पढ़ने चला गया। थोड़ी देर बाद जब नमाज पढ़ कर लौटा तो पत्नी नहीं मिली।

इधर–उधर काफी तलाश किया, लेकिन पत्नी का कुछ पता नहीं चला। उसके बाद कलक्ट्रेट चौकी पर पहुंच कर पुलिस कर्मियों को घटना की जानकारी दी। पुलिस कर्मियों ने सीसीटीवी कैमरे को खंगाला। इमरजेंसी कक्ष के आस–पास पत्नी दिखाई दे रही है, लेकिन बाहर के कैमरे काम नहीं कर रहे थे।

जिसकी वजह से कुछ पता नहीं चला। पीड़ित पति और ससुर अगले दिन कलक्ट्रेट चौकी पर पहुंचे थे। पीड़ित ससुर ने बताया कि बहू का इंस्ट्राग्राम के जरिए आसाम की किसी महिला से सम्पर्क हो गया था। बहू खुद नौकरी की बातचीत उस महिला से करती थी। आशंका है कि उसी महिला के चक्कर में आकर बहू कहीं आसाम तो नहीं चली गई। पुलिस कर्मियों से बहू को ढूंढने की गुहार लगाई।

# जानता दर्शन में आए लोगों से खुद मिले सीएम योगी, समस्याओं के निराकरण का दिए निर्देश

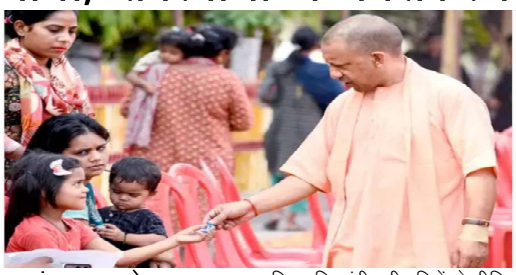

**संवाददाता–गोरखपुर।** जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोगों को थी जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के मेडिकल इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं। साथ ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़–रोटी खिलाया। गोशाला का भ्रमण कर सीएम योगी ने गोवंश को उनके विभिन्न नामों से पुकारा। सीएम योगी की आवाज सुनते ही गोवंश उनके पास आ गए। सीएम योगी ने उन्हें दुलारकर अपने हाथों से उन्हें गुड़–रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी ली।

# भाजपा पूरी ताकत से लड़ेगी उपचुनाव -जसवंत सिंह सैनी

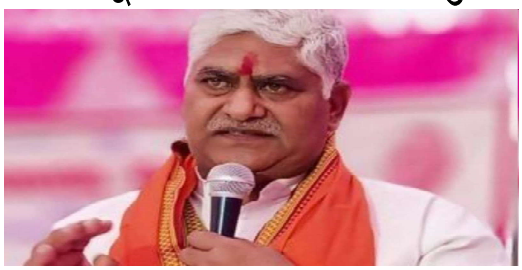

**संवाददाता–अयोध्या।** अयोध्या में विकास को लेकर जसवंत सैनी ने कहा कि पहले और अब की अयोध्या में बहुत फर्क आ गया है। चलने के लिए अच्छी सड़कें, अच्छा सुंदर वातावरण बना है। भगवान राम अपने स्थान पर विराजमान हुए हैं। हम लोगों के लिए बहुत ही गर्व की बात है। लोकसभा चुनाव में मिली हार पर उन्होंने कहा कि जो कुछ हुआ, उसकी समीक्षा की जा रही है। आने वाले उपचुनाव में भाजपा पूरी ताकत के साथ लड़ेगी और अच्छे परिणाम प्राप्त करेगी।

उन्होंने अपने विभाग की ओर से हो रहे विकास के कामों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि औद्योगिक विकास विभाग पूरे उत्तर प्रदेश के अंदर उद्योग को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया था, अब तक निवेश के लिए 40 लाख करोड़ रूपए का प्रस्ताव मिला है।

10 लाख करोड़ रुपए के निवेश ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से प्राप्त हुए थे। इससे बेरोजगारों को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा और उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

# पूर्वाचार्य महंत हरिशंकर शरण को संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

**संवाददाता–अयोध्या।** प्रभु श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या संतो की तपस्थली है और यह नगरी तीर्थ के साथ–साथ तपस्या और वैराग्य के लिए जानी जाती है और संत अपने तपस्या और सेवा के बल पर किसी भी चौलेंज को एक्सेप्ट करने में पीछे नहीं रहते हैं इन्हीं संतो की मणि माला में से एक थे पूर्वाचार्य महंत हरिशंकर शरण जी महाराज। अयोध्या के कनीगंज नोनहटिया मोहल्ले में स्थित श्री राघवेंद्र भवन के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत शिवराम शरण महाराज ने बताया कि यह स्थान पूर्वाचार्य महंतों तपस्थली रही है और यहां निरंतर सेवा चलती रहती है और सेवा को ही तपस्या और धर्म माना जाता है।

उन्होंने बताया कि पूर्वाचार्य महंत हो के साथ गुरुदेव भगवान हरिशंकर शरण महाराज की पांचवीं पुण्यतिथि गंगा दशहरा के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ मनाई गई जिसने अयोध्या के

साथ–साथ आश्रम से जुड़े देश के विभिन्न कोने से संत महंत भक्त वृंद पहुंचे श्री महाराज जी के साथ सभी पूर्वाचार्यों महंतों को श्रद्धांजलि अर्पित की और अयोध्या के संतों की सेवा की। उन्होंने कहा कि वैष्णो सनातन धर्म में सेवा परंपरा सदियों से चली आई है और निरंतर चलती रहेगी। हनुमानगढ़ी के महंत रामकुमार दास नागा राम लखन दास, महंत राममिलन शरण, महंत विनोद दास सहित अयोध्या के सभी संतो महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

# इटली में जॉर्जिया मेलोनी से मिले पीएम मोदी, हाथ जोड़कर किया स्वागत

**नई दिल्ली (आभा)।** जी7 शिखर सम्मेलन के 'आउटरीच सत्र' में शिरकत करने के लिए इटली पहुंचे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी समकक्ष इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से शुक्रवार को मुलाकात की। दोनों नेताओं ने एक दूसरे का अभिवादन श्नमस्तेश कहकर किया। पीएम मोदी स्टेज पर जॉर्जिया मेलोनी के साथ कुछ देर हंसते हुए बात करते भी नजर आए। इसके बाद दोनों नेताओं ने कुछ तस्वीरें क्लिक कराईं।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी यहां वैश्विक नेताओं के साथ व्यापक मुद्दों पर लगातार द्विपक्षीय वार्ता कर रहे हैं। कुछ देर पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से मुलाकात कर रक्षा, परमाणु और अंतरिक्ष क्षेत्रों समेत सामरिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार–विमर्श किया। दोनों नेताओं की मुलाकात इटली के दक्षिणी शहर बारी में जी–7 शिखर सम्मेलन से इतर हुई।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी मुलाकात की और कहा कि भारत ''मानव–केंद्रित'' दृष्टिकोण में विश्वास करता है और शांति का मार्ग ष्संवाद और कूटनीतिष से होकर गुजरता है। मोदी ने इटली के अपुलिया क्षेत्र में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की से मुलाकात की। मोदी ने जेलेंस्की के साथ बैठक को ''बहुत उपयोगी'' बताया और कहा कि भारत, यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को ''और मजबूत'' करने के लिए उत्सुक है।

प्रधानमंत्री मोदी अपने एक दिन के दौरे में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी द्वारा आयोजित कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्यसागरीय क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक सत्र में हिस्सा लेंगे। इस सत्र में पोप फ्रांसिस भी शामिल होंगे। पोप फ्रांसिस के मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की भी उम्मीद है।

# चकबंदी में लापरवाही पर सीएम योगी सख्त,कई अधिकारी कर्मचारी सस्पेंड

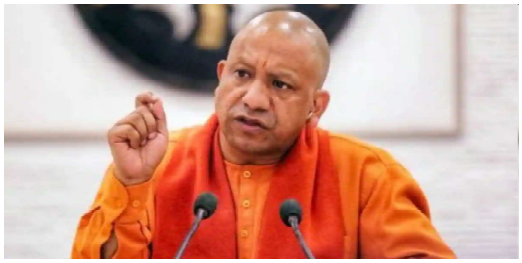

**लखनऊ (आभा)।** यूपी में चकबंदी में लापरवाही पर सीएम योगी सख्त हो गए हैं। मिर्जापुर–बांद से लेकर मैनपुरी तक एक्शन लिया गया है। कई अधिकारियों और कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। योगी के निर्देश पर शासन ने मिर्जापुर और बांदा के चकबंदी अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है। मैनपुरी में भी चकबंदी से जुड़े आधा दर्जन अधिकारी और कर्मचारियों पर गाज गिरी है। प्रदेश के चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने बांदा और मिर्जापुर के दोनों चंकबंदी अधिकारियों को निलंबित करते हुए इनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिये हैं। मैनपुरी के अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच और कारण बताओ नोटिस जारी की गई है।

बताया गया कि बांदा में वित्तीय वर्ष 2023–24 में धारा–27 व 52 के अंतर्गत लक्षित ग्राम उमरेंहडा का कार्य पूर्ण न करने, ग्राम बहिंगा में सहायक चकबन्दी अधिकारी स्तर पर सृजित चकों की त्रुटियों का निराकरण कर कार्य आगे बढ़ाने के बजाय ग्राम को सहायक चकबन्दी अधिकारी स्तर पर प्रत्यावर्तित करने, सीसीएमएस पोर्टल के माध्यम से न्यायालय न चलाने तथा ग्राम उमरेंहडा के गाटा संख्या–1331 का रकबा बन्दोबस्त से अधिक बढ़ाने आदि अनियमितताओं के लिये चकबंदी अधिकारी राणा प्रताप को निलम्बित करते हुये उनके विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही के आदेश दिये गये हैं। इसी प्रकार मीरजापुर में ग्राम नवैया की चक संख्या–950 आदि से मृतक शेषनरायन सिंह की वरासत मनमाने तौर पर बिना जांच चार बार पृथक–पृथक आदेश पारित कर पद का दुरुप्रयोग किये जाने एवं बाद संख्या–174, धारा–12 में बिना दस्तावेज का सम्यक् परीक्षण और जांच के नामान्तरण आदेश दिनांक पारित करने के लिये चकबंदी अधिकारी राजेन्द्र राम को निलम्बित कर विभागीय कार्यवाही के आदेश दिये गये हैं।

# अवैध खनन केस में सहारनपुर के खनन माफिया मोहम्मद इकबाल की ग्लोकल यूनिवर्सिटी जब्त

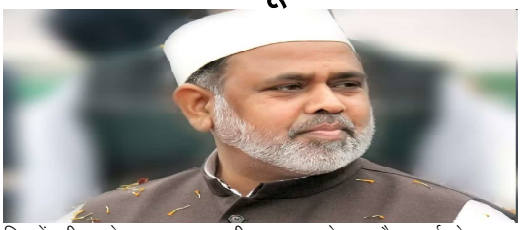

**लखनऊ (आभा)।** सहारनपुर के खनन माफिया एवं पूर्व बसपा एमएलसी मोहम्मद इकबाल की ग्लोकल यूनिवर्सिटी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जब्त कर लिया है। राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय ने शुक्रवार को अवैध खनन के मामले में मोहम्मद इकबाल की यूनिवर्सिटी की 121 एकड़ भूमि और सभी भवनों को जब्त करने की कार्रवाई की है। बता दें कि इकबाल बीते कई महीनों से फरार होकर दुबई में पनाह लिए है। उसके खिलाफ देश भर की करीब एक दर्जन से ज्यादा एजेंसियां जांच कर रही हैं। ईडी के मुताबिक ग्लोकल यूनिवर्सिटी को अब्दुल वहीद एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट के जरिए संचालित किया जा रहा था, जिसके नियंत्रण, प्रबंधन और संचालन मोहम्मद इकबाल और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता है। ईडी ने करीब 10 वर्ष पूर्व मोहम्मद इकबाल के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गयी खनन घोटाले की एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी।

यह मुकदमा सहारनपुर में खनन के पट्टों में हुई धांधली से जुड़ा था, जिसमें लीज होल्डर महमूद अली, दिलशाद, मोहम्मद इनाम, महबूब आलम (अब मृत), नसीम अहमद, अमित जैन, नरेंद्र कुमार जैन, विकास अग्रवाल, मोहम्मद इकबाल का बेटा मोहम्मद वाजिद, मुकेश जैन, नरेंद्र कुमार, पुनीत कुमार और कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारियों को नामजद किया गया था। ईडी की जांच से पता चला कि सभी खनन फर्मों का स्वामित्व और संचालन मोहम्मद इकबाल के पास था। इकबाल और उसके करीबियों की कंपनियां और फर्में सहारनपुर और आस–पास के इलाकों में बड़े पैमाने पर अवैध खनन में शामिल थीं। इसके जरिए मोहम्मद इकबाल के साथ करोड़ों रुपये का लेन–देन किया गया, जबकि इन कंपनियों से उसका कोई कारोबारी संबंध नहीं था। इतना ही नहीं, मोहम्मद इकबाल ने इस अवैध कमाई को आयकर विवरण में इसे छिपा लिया गया था। बाद में मोहम्मद इकबाल ने सारी धनराशि अब्दुल वहीद एजुकेशनल ट्रस्ट के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी। अधिकतर रकम को असुरक्षित कर्ज और दान के रूप में दिया जाना दर्शाया गया था। बाद में ट्रस्ट ने इस धनराशि का उपयोग यूनिवर्सिटी की भूमि खरीदने और भवनों के निर्माण के लिए किया। ईडी की जांच में सामने आया है कि इस तरह करीब 500 करोड़ रुपये ट्रस्ट के जरिए ग्लोकल यूनिवर्सिटी में निवेश किए गये। वर्तमान में यूनिवर्सिटी की भूमि और भवनों की बाजार कीमत 4440 करोड़ रुपये है। बता दें मोहम्मद इकबाल के चार बेटे और भाई अलग–अलग मामलों में जेल में बंद हैं।

# अपने ब्लड से बचा सकते हैं चार लोगों की जान– विजय कुमार सिंह

**संवाददाता–बस्ती।** विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर बस्ती चेरिटेबल ब्लड बैंक पचपेड़िया में भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद बड़ी संख्या में रक्तदानियों ने रक्तदान किया। इस मौके पर रक्तदान करने वालों को स्वैच्छिक रक्तदान का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट डॉ. प्रवीन कुमार श्रीवास्तव ने फीता काट कर किया। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी राजेश श्रीवास्तव ने बताया की उन्होंने अभी तक 54 बार रक्तदान कर लोगों की जान बचाने का कार्य किया है।

ब्लड बैंक संचालक शुभम मिश्र ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि रक्तदान करने से हम चार लोगों की जान बचा सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति खासकर युवाओं को वर्ष में एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए। रक्तदान करके हम जहां एक तरफ जरूरतमंद की जान बचाते हैं वहीं खुद को स्वस्थ रखते हैं।

रक्तदान करने से ब्रेन हेमरेज जैसी बीमारियों का खतरा बिल्कुल कम हो जाता है। इस मौके पर कुल 34 यूनिट रक्तदान किया गया।

बस्ती चौरिटेबल ब्लड बैंक के डायरेक्टर विजय कुमार सिंह ने रक्तदान करने वालो का आभार प्रकट करते हुए कहा की हमें स्वस्थ जीवन शैली अपनाते हुए निरंतर रक्तदान करते रहना चाहिए। रक्तदान को महादान कहा जाता है। एक व्यक्ति के रक्तदान से चार लोगों के जीवन की रक्षा की जा सकती है। रक्तदान करने वालों में प्रमुख रूप से उमंग शुक्ला, अतीत पान्डेय, शेषनरायण गुप्ता, मुकेश श्रीवास्तव, सुलभ, अतुल द्विवेदी, अवनीश सिहं, दीपू, आदित्य, व्यास कुमार, आकाश कुमार, नीरज गुप्ता, इरफान, समीर, प्रमोद, सुन्दरम, शिवम, अभिषेक पान्डेय, आशीष पांडेय, रिषभ पान्डेय, आकाश चौधरी, सूरज मिश्र, अनूप कुमार, अजीत यादव, वासित अली आदि लोगो ने रक्तदान किया।

# विश्व रक्तदान दिवस पर सेवा ब्लड बैंक, रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल ने रक्तदाताओ को किया सम्मानित

**संवाददाता–बस्ती।** विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर सेवा ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं ब्लड डोनर – समाजसेवी संस्थाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर एस दुबे द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि हर साल 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। जिससे रक्तदान को बढ़ावा दिया जा सके। रक्तदान से दूसरे को जीवन दान दिया जा सकता है इसलिये इस महादान में सभी को बढ़– चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिये। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि अपर चिकित्सा अधिकारी डॉ एस बी सिंह ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदान करें और रक्तदान के लिये दूसरों को जागरूक करें। रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल से चार्टर सचिव एल के पाण्डेय ने कहा कि रक्त की आवश्यकता किसी को भी पड़ सकती है इमरजेंसी में और उसके लिए ब्लड बैंक में खून का होना जरूरी है इसीलिए विभिन्न क्षेत्रों में लगातार ब्लड डोनेशन कैंप लगाया जाता है। कार्यक्रम में रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल , साथी हाथ बढ़ाना ट्रस्ट, बस्ती घर फाउंडेशन, उत्थान चेरिटेबल ट्रस्ट, विशाल नर्सिंग होम सहित अनेको संस्था से लोगो ने रक्त दान किया। कार्यक्रम में सेवा ब्लड बैंक से रक्तकोष अधिकारी डॉ अनिल श्रीवास्तव, रक्त कोष सचिव नीरज अग्रवाल, रो कवीश अवरोल, रो अच्यूत अग्रवाल, रो श्याम धर सोनी, तारक जायसवाल, नंदकिशोर गुप्ता, कृष्णनंदन उपाध्याय, राना नागेश प्रताप सिंह,शिखर सावलानी, गौरव सिंह, आदर्श सिंह, श्याम नारायण यादव, दिव्यांशु दूबे, अभिषेक शुक्ला, राजेश सिंह, ओपी पटेल, पंकज कुमार सहित 36 लोगो ने रक्तदान किया।

# दुनिया में चुनावी मेला, मतदाता अलबेला

—पुष्परंजन—

दुनिया की आधी आबादी, जिसमें लगभग 4 अरब लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 से अधिक देश हैं, 2024 में राष्ट्रपति, संसदीय और स्थानीय चुनावों में हिस्सा ले रहे हैं। भारत के बाद, 27 देशों के ब्लॉक यूरोपीय संघ में मतदान आरंभ हो चुका है। पहले यूरोप की चुनावी प्रक्रिया को हमारे यहां का मतदाता देखता था, इसबार भारत यूरोपीय वोटरों के लिए उदाहरण बना हुआ है। मेक्सिको से भारत तक, रूस से दक्षिण अफ्रीका तक, वेनेजुएला से सूडान तक, आधे से अधिक देश चुनाव करा चुके। दुनिया के 10 सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से सात बांग्लादेश, भारत, इंडोनेशिया, मैक्सिको, पाकिस्तान और रूस में चुनाव हो चुके। बड़ी आबादी वाले ब्राजील में 5 हजार 568 पालिकाओं के लिए 27 अक्तूबर 2024 को मतदान होंगे, जो दो साल बाद आम चुनाव में मतदाताओं की दिशा निर्धारित करेंगे। उधर अमेरिका 5 नवंबर 2024 को राष्ट्रपति चुनाव कराने के लिए तैयार है।

भारत के सात चरणों में चले संसदीय चुनाव को दुनिया में सबसे बड़े मतदान की प्रक्रिया के रूप में देखा गया। उसके बरक्स इंडोनेशिया में 14 फरवरी 2024 को एक दिन में ही आठ लाखघ पोलिंग स्टेशनों में 20 करोड़ लोगों ने मतदान कर दिया। इंडोनेशियाई संविधान के मुताबिक, जोको विडोडो तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए लड़ नहीं सकते थे, इसलिए जनरल प्रावोओ सुबिआंतो निर्वाचित हुए। इंडोनेशिया में सेना वाली पृष्ठभूमि के ये तीसरे राष्ट्रपति हैं।

मात्र 21 लाख की आबादी वाला बाल्कन का छोटे से मुल्क नार्थ मेसेडोनिया में भी 8 मई 2024 को संसदीय चुनाव हुए। यहां यूरोपीय संघ में एकीकरण की धीमी गति, और भ्रष्टाचार मुख्य मुद्दे थे। भारत की तरह मतदाताओं ने उत्तरी मेसेडोनिया में बहुमत वाली सरकार का जनादेश नहीं दिया है। राष्ट्रवादी वीएमआरओ–डीपीएमएनई पार्टी के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी विपक्षी गठबंधन ने 58 सीटें हासिल कर चुनाव तो जीत लिया, लेकिन यह पूर्ण बहुमत से तीन कम थे।एक कहावत है, 'चाची को मूंछ चिपकाने से चाचा नहीं हो जाती।' कुछ इसी तरह की कवायद तुर्किये में राष्ट्रपति रिजेब तैयप एर्दोआन कर रहे हैं। साल 1930 में (देश भर में 1934 में) महिलाओं को तुर्की में पूर्ण राजनीतिक भागीदारी का अधिकार मिला, जिसमें वोट देने का अधिकार और स्थानीय स्तर पर कार्यालय चलाने का अधिकार भी शामिल था। नौ दशक बाद भी कुछ बड़ा बदलाव नहीं दिखा। पिछले साल मई में राष्ट्रपति चुनाव के साथ–साथ हुए संसदीय चुनावों में महिला सांसदों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, लेकिन यह कम है। कुल 600 सदस्यों वाली संसद में से केवल 121 सांसद महिला हैं, इनमें पचास सत्तारूढ़ एकेपी से और चार उसकी राष्ट्रीय सहयोगी, एमएचपी से आई थीं। आनुपातिक रूप से, ग्रीन लेफ्ट पार्टी में किसी भी पार्टी की तुलना में सबसे अधिक महिला प्रतिनिधित्व हैं, जिसमें 58 में से 30 महिला विधायक हैं। नई संसद में सीएचपी, गुड पार्टी और टीआईपी की क्रमशः 30, छह और एक महिला सांसद हैं। 2024 के स्थानीय चुनाव में 11 महिला मेयरों में से दस विपक्षी दलों से थीं, उन्हें औसतन लगभग 53 प्रतिशत वोट मिले। इस्तांबुल, अंकारा, इजमिर, अदाना और अंताल्या सहित तुर्किये के 922 जिलों में से 64 में महिलाओं ने जीत हासिल की, जिनमें से अधिकांश सीएचपी से थीं। हालांकि, 90 साल से सियासत में महिलाओं की भागीदारी के बाद भी, तुर्की की राजनीति में अब भी पुरुषों का वर्चस्व है। राष्ट्रीय राजनीति में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व तुर्किये के लिए कोई अनोखी स्थिति नहीं है, क्योंकि इसी तरह की चुनौतियां विश्व स्तर पर बनी हुई हैं। अध्ययन के अनुसार, केवल पांच देशों में आधे या अधिक सांसद महिलाएं हैं। साल 2019 में भारतीय लोकसभा के लिए 78 महिलाएं चुनी गई थीं। वहीं 2024 के संसदीय चुनाव में भारत में केवल 74 महिलाएं चुनी जा सकी हैं, यह तुर्की की महिला राजनीति से मेल खाती है।

इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के अनुसार, 'साल 2024 में कुछ ऐसे चुनाव भी शामिल होंगे, जो आइसलैंड के राष्ट्रपति चुनाव की तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष होंगे, और कुछ देश लोकतांत्रिक रूप से होने वाले चुनाव नकार भी सकते हैं।' लगभग ऐसा ही हुआ। दो उदाहरण दरपेश है। रूस में बीते दिनों 15 से 17 मार्च, 2024 तक राष्ट्रपति चुनाव हुए। यह देश में आठवां राष्ट्रपति चुनाव था। व्लादिमीर पुतिन ने 88 प्रतिशत वोट के साथ जीत हासिल की, जो सोवियत रूस के बाद के राष्ट्रपति चुनाव में सबसे अधिक प्रतिशत था। इसे तानाशाही के तौर पर निरूपित किया जा रहा है।

दूसरा उदाहरण, उत्तर कोरिया है। मार्च या अप्रैल, 2024 में उत्तर कोरिया में संसदीय चुनाव होने की उम्मीद थी। खब्बर आई कि तानाशाह किम जोंग उन द्वारा उसे खघरिज कर दिया गया। उन्हें संविधान में सबसे पहले बदलाव करना था, जो उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया से एक अलग देश के रूप में परिभाषित करता। दूसरी ओर दक्षिण कोरिया में 10 अप्रैल, 2024 को आम चुनाव संपन्न हुए, और डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) ने देश की संसद में अधिकांश सीटें जीतीं। दक्षिण कोरिया में दो मुख्य राजनीतिक दल हैं, 'डीपी' और पीपुल पॉवर पार्टी (पीपीपी)। डीपी प्रगतिशील है, और पीपीपी रूढ़िवादी। मार्च के अंत तक, पीपीपी आगे चल रही थी, लेकिन अंतिम समय में मतदाताओं ने रूढ़िवादी नेताओं को झटका दे दिया।

वहीं एक जून 2024 को नार्डिक देश आइसलैंड में बिजनेस वुमेन, हाला थॉमसदोतिर 34.6 प्रतिशत मतों से निर्वाचित हुई हैं। हाला मुल्क की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। इनसे पहले 1980 में विगदिस फिन्नवोगादोरिस पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गई थीं।

भारत के बाद यूरोपीय संघ, ब्रिटेन व अमेरिका के चुनाव परिणाम पूरी दुनिया के सूरतेहाल में अहम रोल अदा करेंगे, यह बात इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के रणनीतिकार भी स्वीकारते हैं। कह सकते हैं कि साल 2024 चुनाव में हिस्सेदार बहुतेरे मतदाताओं ने अपने जीवन के कुछ साल किसी न किसी रूप में निरंकुशता के माहौल में बिताए हैं, जिनमें इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और मैक्सिको जैसे देश शामिल हैं। 'अवर वर्ल्ड इन डेटा' के अनुसार, '1990 के दशक तक ऐसा नहीं था। अधिकांश देश आज के निरंकुश शासन की तुलना में किसी न किसी प्रकार लोकतांत्रिक थे।'

# महासागरों में बढ़ता प्रदूषण

—रमेश सर्राफ धमोरा—

महासागर इस दुनिया में मनुष्य के जीवित रहने का एक प्रमुख कारण है। महासागर हमें पीने के लिए पानी और सांस लेने के लिए ताजी हवा प्रदान करता है। इसलिए महासागर प्रदूषण का मुद्दा महत्वपूर्ण है। हम अपने जीवन में बहुत कुछ महासागर पर निर्भर हैं। महासागर प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। हमारे महासागरों में कचरा जमा हो रहा है लेकिन सवाल यह है कि कचरा कहाँ से आ रहा है। आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर व आसपास अनेक छोटे–छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव–जंतु व वनस्पतियां पनपती हैं। वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों–दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्तता के कारण अधिक जैव–विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे। वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण एवं समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव–विविधता भी प्रभावित होती है।

हर साल जून 8 को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गयी थी की विश्व के जो महासागर हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मानाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन अर्थ समिट में रखा था। 8 जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर विश्व में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरो में असीम जैव विविधता का भंडार समाया है।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी./82 R.N.I. 40367/84
साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार
स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिलीप चन्द्र पाण्डेय
मो.०९४५०५६७४५०
Email- Awazdarpan@yahoo.com